A

(20423) Roll No. :

U.G. -III Sem.

NEP-3002

U. G. Examination, Dec. 2022

MAJOR COURSE (UNDER N.E.P.)

SANSKRIT

Sanskrit-Natak Evam Vyakaran

(Paper Code : A020301T)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

निर्देश : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए ।

खण्ड-क

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है । अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है ।

3×5=15

1. महाकवि भास के कुल कितने नाटक हैं ? किन्हीं पाँच नाटकों के नाम लिखिए ।

2. 'वासुदेवः' में कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त है ?

'बुद्धचरित' किसकी रचना है तथा इसमें कितने सर्ग हैं ?

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के प्रथम एवं द्वितीय अंक का नाम लिखिए ।

'लघु-सिद्धान्त-कौमुदी' के अनुसार स्त्री-प्रत्यय कितने हैं, नामोल्लेख कीजिए ।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न 7½ अंकों का है । 7½×2=15

6. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान्

स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि ।

धर्मप्रिया नृपसुता नहि धर्मपीडा-

मिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः ।

अथवा

पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री

दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा ।

तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि सिद्धवाक्या-

न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि ॥

7. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः

पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम् ।

दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा

पश्योदग्रप्लुतत्वाद्वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति ॥

अथवा

अध्याक्रान्ता वसतिरमुनाऽप्याश्रमे सर्वभोग्ये

रक्षायोगादयमपि तपः प्रत्यहं सञ्चिनोति ।

अस्यापि द्यां स्पृशति वशिनश्चारणद्वन्द्वगीतः

पुण्यः शब्दो मुनिरिति मुहुः केवलं राजपूर्वः ।।

ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए -

विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव ।।

अथवा

यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया

कण्ठः स्तम्भितवाष्प वृत्ति कलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम् ।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः

पीडयन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः ।।

खण्ड–ग

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है । विस्तृत उत्तर अपेक्षित है। 15×3=45

9. किन्हीं तीन सूत्रों की स्पष्ट व्याख्या कीजिए -

(क) भीत्रार्थानां भयहेतुः

(ख) प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा

(ग) रुच्यार्थानां प्रीयमाणः

(घ) अकथितं च

(ङ) षष्ठी शेषे ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के प्रकृति-प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए –

कार्यम्ः भूत्वा, लेखितुम्, कारकम्, पाकः ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के प्रकृति-प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए –

दाशरथिः, प्राजापतयः, राष्ट्रपतम्, पौत्र, गाङ्गः ।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के प्रकृति-प्रत्यय का निर्धारण कीजिए –

नारी, युवतिः, आचार्यानी, राज्ञी, मनुषी ।

. "संस्कृत नाट्यसाहित्य परम्परा में कालिदास का अमूल्य योगदान' इस पर लेख लिखिए ।

12. महाकवि भास के काव्यगत सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

13. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में वर्णित प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए ।